RAN-2401001203010003

# RAN-2401001203010003/ 2501000103035021

## S.Y.B.A. (Sem. - III) Examination November - 2025

## Hindi - Major (Paper - V) 'छायावादी कविता' (छायावाद: प्रतिनिधि रचनाएँ)

**[ Total Marks: 50**

**सूचना : / Instructions**
(1) ઉપરોક્ત દર્શાવેલ વિગતો ઉત્તરવહી પર અવશ્ય લખવી.
Fill up strictly the above details on your answer book

Seat No.:

Student's Signature

**प्र.1. निम्नलिखित संक्षिप्त प्रश्नों में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उतर लिखिए। (10)**

1. 'नाविक! इस सूने तट पर' काव्य का विषय क्या है?
2. 'जागरी' काव्य में उषा को किस रूप में व्यक्त किया है?
3. 'जूही की कली' के माध्यम से किसका चित्रण किया गया है?
4. 'स्नेह-निर्झर बह गया है' कविता की मुख्य विशेषता क्या है?
5. 'ताज' को देखकर कवि क्यों तड़प उठते है?
6. 'क्या पूजन क्या अर्चन रे' कविता का विषय क्या है?
7. 'जीवन विरह का जलजात' कविता में महादेवी ने क्या वर्णन किया है?

**प्र.2.** 'इतना न चमत्कृत हो बाले!' कविता में कवि के व्यक्त विचार स्पष्ट कीजिए। **(13)**

**अथवा**

**प्र.2.** 'पेशोला की प्रतिध्वनि' कविता की समीक्षा कीजिए।

**प्र.3.** 'भारती-वंदना' कविता में कवि के व्यक्त विचार स्पष्ट कीजिए। **(13)**

**अथवा**

**प्र.3.** ''''सरोज-स्मृति' हिंदी का सर्वश्रेष्ठ शोक गीत है'' - प्रस्तुत कथन की आलोचना कीजिए।

**प्र.4. (अ) टिप्पणी लिखिए। (07)**

'मानव' कविता में कवि के विचार व्यक्त कीजिए।

**अथवा**

'मधुर-मधुर मेरे दीपक जल' कविता में कवियत्री की वेदनानुभूति स्पष्ट कीजिए।

**(ब) संसदर्भ व्याख्या कीजिए। (07)**

''धीरे-धीरे संशय से उठ,
बढ़ अपयश से शीघ्र अछोर,
नभ के उर में उमड़ मोह से
फैल लालसा से निशि भोर

इंद्रचाप-सी व्योम भृकुटि पर
लटक मैन चिंता से घोर,
धोष भरे विप्लव भय से हम
छाया जाते द्रुत चारों ओर!''

**अथवा**

''झंझा है दिगभ्रांत रात की मूर्च्छा गहरी,
आज पुजारी बने, ज्योति का यह लघु प्रहरी,
जब तक लौटे दिन की हलचल,
तब तक यह जागेगा प्रति पल,
रेखाओं में भर आभा-जल,
दूत सर्वांझ का इसे प्रभाती तक चलने दो!''

———————